भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 4650

उत्तर देने की तारीख- 21.08.2025

आदि कर्मयोगी पहल

4650. श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैया:
श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़:
श्री बिभु प्रसाद तराई:

क्या **जनजातीय कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा देशभर में सामुदायिक स्वामित्व को मज़बूत करने और जनजातीय नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) आदि कर्मयोगी पहल के उद्देश्य क्या हैं और जनजातीय परिवर्तनकारी नेताओं का एक कैडर तैयार करने में उक्त पहल की अभीष्ट भूमिका क्या है;

(ग) देशभर में आदि कर्मयोगी कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए नियोजित क्षमता-निर्माण तंत्र का ब्यौरा क्या है;

(घ) आदि कर्मयोगी मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षित जनजातीय परिवर्तनकारी नेताओं के लिए निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन सुनिश्चित करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं;

(ङ) उक्त कार्यक्रमों के माध्यम से विकसित सामुदायिक नेताओं और उपलब्धि प्राप्तकर्ताओं की अंतर्दृष्टि और उनके योगदान को भविष्य में नीति निर्माण में शामिल करने के लिए क्या प्रक्रिया अपनाई गई;

(च) आदि कर्मयोगी कार्यक्रम के अंतर्गत कितने गाँवों और हितधारकों को शामिल किए जाने की अपेक्षा है; और

(छ) सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए क्या योजना बना रही है कि उक्त कार्यक्रम के माध्यम से अंतिम छोर पर मौजूद व्यक्ति तक प्रभावी सेवा प्रदान की जा सके?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क) और (ख): सरकार ने आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों, स्वयं सहायता समूह के नेतृत्वकर्ताओं और युवा स्वयंसेवकों सहित स्थानीय हितधारकों को सशक्त बनाकर जनजातीय क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर नेतृत्व को संस्थागत बनाने के उद्देश्य से आदि कर्मयोगी अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य गांव स्तर पर संरचित विजन (दृष्टि)-निर्माण कार्य, दीवार चित्रों और सहभागिता नियोजन के माध्यम से सामुदायिक स्वामित्व को बढ़ावा देना है।

आदि कर्मयोगी पहल का लक्ष्य 20 लाख से अधिक जनजातीय परिवर्तनकारी नेतृत्वकर्ताओं का एक सवंर्ग (कैडर) तैयार करना है, जो उत्तरदायी शासन और अंतिम छोर तक सेवा प्रदायगी के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करेंगे।

(ग): आदि कर्मयोगी अभियान के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए क्षमता निर्माण तंत्र हेतु, राज्य, जिला और प्रखण्ड (ब्लॉक) स्तर पर प्रक्रिया प्रयोगशालाओं के माध्यम से एक संरचित प्रशिक्षण मॉडल, जिसमें अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने के लिए सुसज्जित मास्टर प्रशिक्षकों को शामिल किया गया है। यह पाठ्यक्रम उत्तरदायी शासन, शिकायत निवारण, नागरिक सहभागिता और अभिसरण योजना पर केंद्रित है।

(घ): आदि कर्मयोगी मिशन के तहत प्रशिक्षित जनजातीय परिवर्तनकारी नेताओं के लिए निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन सुनिश्चित करने के लिए, जिला और प्रखण्ड (ब्लॉक) स्तर पर उत्तरदायी शासन समूह का प्रावधान किया जाएगा जो गतिविधियों को बनाए रखेगा और उनका समन्वय करेगा। नागरिक समाज संगठन और सहयोगी सतत सामुदायिक सहभागिता के लिए क्षेत्रीय सुविधाप्रदाताओं और मार्गदर्शकों के रूप में कार्य करते हैं।

(ड.): यह अभियान स्थानीय सरकारी प्राधिकारियों, नागरिक समाज संगठनों और ग्राम स्तरीय बैठकों से संरचित रिपोर्टिंग के माध्यम से जमीनी स्तर पर नवाचारों, सामुदायिक फीडबैक और स्थानीय सफलता की कहानियों का वास्तविक समय पर दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करता है। इन जानकारियों को जिला और राज्य स्तर पर एकत्रित किया जाता है ताकि भविष्य की जनजातीय विकास नीतियों और योजनाओं के लिए जानकारी उपलब्ध कराई जा सके।

(च): इस पहल से 1 लाख से अधिक जनजातीय गांवों तक पहुंचने और 550 से अधिक जिलों के अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं, पीआरआई सदस्यों, युवा नेताओं और एसएचजी सदस्यों सहित 20 लाख से अधिक हितधारकों को शामिल करने की उम्मीद है। प्रत्येक जनजातीय गांव को ग्राम दृष्टिकोण (विजन) विकसित करने तथा योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से उसे क्रियान्वित करने में सहायता दी जाएगी।

(छ): सरकार नागरिकों को सेवा प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप केंद्र के रूप में आदि सेवा केंद्रों को संस्थागत रूप दे रही है। यह स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जनजातीय गाँवों में सेवा समय (साप्ताहिक शिकायत निवारण सत्र) और सेवा दिवस (मासिक सेवा प्रदायगी अभियान) जैसी पहलों का आयोजन करेगा। प्रशिक्षित ग्राम-स्तरीय कर्मयोगियों और समन्वित योजना के माध्यम से, यह कार्यक्रम सुनिश्चित करता है कि सरकारी लाभ सबसे कमजोर जनजातीय परिवारों तक प्रभावी ढंग से पहुँचें।

*****